चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 11 सितंबर 2026, अंक –355.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

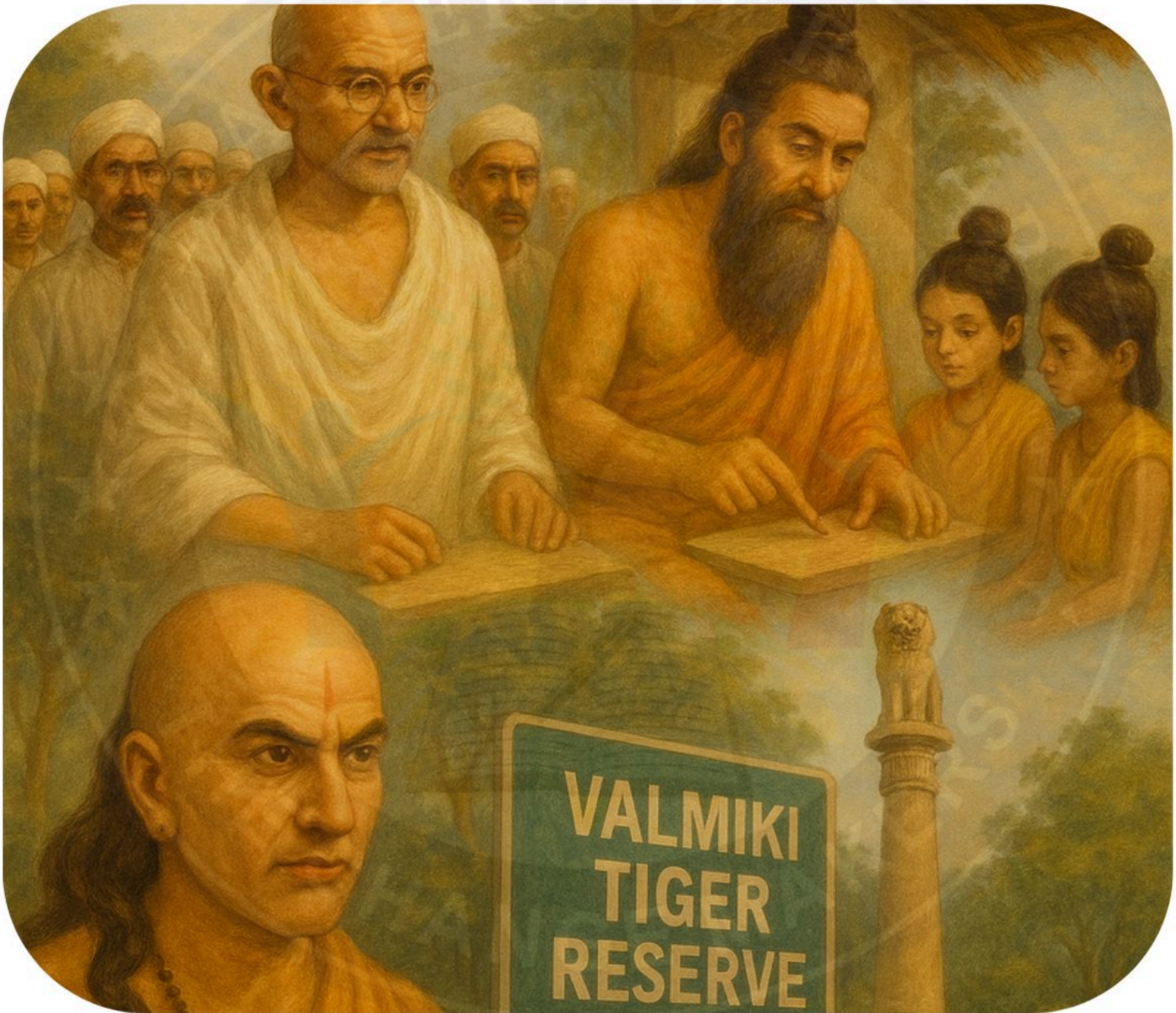

"आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।"
— महात्मा गांधी

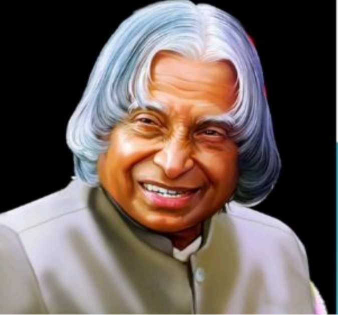

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कजाकिस्तान की राजधानी क्या है?
उत्तर: अस्ताना
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कौन थीं?
उत्तर: कल्पना चावला
प्रश्न 3. 'चोलक्कली' किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. 3/5 को प्रतिशत में बदलने पर कितना प्राप्त होगा?
उत्तर: 60%
प्रश्न 5. बिहार का तेलहारा प्राचीन बौद्ध स्थल किस जिले में स्थित है?
उत्तर: नालंदा
प्रश्न 6. मधुमक्खियाँ फूलों से मुख्य रूप से क्या एकत्र करती हैं?
उत्तर: मकरंद
प्रश्न 7. भाप से चलने वाले पहले सफल वाणिज्यिक जहाज के विकास से किस आविष्कारक का नाम जुड़ा है?
उत्तर: रॉबर्ट फुल्टन
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव किस अनुच्छेद के अनुसार होता है?
उत्तर: अनुच्छेद 54
प्रश्न 9. 'जो दूसरों पर निर्भर न हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: आत्मनिर्भर
प्रश्न 10. दर्पण में अपना चेहरा देखने के लिए प्रकाश का कौन-सा गुण उपयोगी होता है?
उत्तर: परावर्तन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Schoolbag - स्कूलबैग - बस्ता
2️⃣ Uniform - यूनिफॉर्म - वर्दी / विद्यालयी पोशाक
3️⃣ Timetable - टाइमटेबल - समय-सारणी
4️⃣ Attendance - अटेंडेंस - उपस्थिति
5️⃣ Examination - एग्ज़ामिनेशन - परीक्षा
6️⃣ Certificate - सर्टिफिकेट - प्रमाण-पत्र
7️⃣ Scholarship - स्कॉलरशिप - छात्रवृत्ति

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “Am I going to + V1?”
(क्या मैं ... करने वाला/वाली हूँ?)

क्या मैं आज स्कूल जाने वाला/वाली हूँ? – Am I going to go to school today?
क्या मैं यह कहानी पढ़ने वाला/वाली हूँ? – Am I going to read this story?
क्या मैं अपने मित्र से मिलने वाला/वाली हूँ? – Am I going to meet my friend?
क्या मैं अपना होमवर्क पूरा करने वाला/वाली हूँ? – Am I going to finish my homework?
क्या मैं अंग्रेज़ी सीखने वाला/वाली हूँ? – Am I going to learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में आयोजित 'विश्व धर्म संसद' में किस महान भारतीय संन्यासी ने अपने ऐतिहासिक संबोधन से भारतीय संस्कृति और वेदांत दर्शन को वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाई थी? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: स्वामी विवेकानंद
व्याख्या: 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो शहर में 'विश्व धर्म संसद' (World's Parliament of Religions) का आयोजन हुआ था। इसमें भारत और सनातन धर्म के प्रतिनिधि के रूप में स्वामी विवेकानंद ने "अमेरिका के मेरे प्यारे भाइयो और बहनो!" के आत्मीय संबोधन से अपना विश्वप्रसिद्ध भाषण प्रारंभ किया। उन्होंने सार्वभौमिक सहिष्णुता, सभी धर्मों की सत्यता और वेदांत के अद्वैत दर्शन को व्याख्यायित किया। उनके विचारों ने पश्चिमी जगत में भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के प्रति सम्मान स्थापित किया। 11 सितंबर को भारत में 'विश्व बंधुत्व दिवस' (Universal Brotherhood Day) के रूप में भी स्मरण किया जाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 8 "महिलाएं, जाति एवं सुधार", p. 102–105;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के तहत प्राचीन समुद्री व्यापार और पोत-निर्माण तकनीक के संरक्षण हेतु किस राज्य में देश के पहले 'समुद्री संग्रहालय' के प्रमुख चरण का उद्घाटन किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: गुजरात (लोथल)
व्याख्या: सितंबर 2026 में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा गुजरात के ऐतिहासिक हड़प्पा स्थल 'लोथल' में 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर' (National Maritime Heritage Complex - NMHC) के मुख्य विश्वस्तरीय संग्रहालय खंड का लोकार्पण किया गया। यह परियोजना सिंधु घाटी सभ्यता के प्राचीन गोदीवाड़े (डॉकयार्ड) से लेकर आधुनिक काल तक भारत के 5,000 वर्षों के समृद्ध समुद्री इतिहास, व्यापारिक मार्गों और नौसैनिक शक्ति को प्रदर्शित करने वाला भारत का सबसे बड़ा विरासत केंद्र है।
संदर्भ: Ministry of Ports, Shipping and Waterways Press Release September 2026;

प्र.3. आधुनिक हिंदी नाटक परंपरा के अग्रदूत मोहन राकेश द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध नाटक है, जो 4थी शताब्दी के महाकवि कालिदास के अंतर्द्वंद्व और मल्लिका के निःस्वार्थ प्रेम पर आधारित है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आषाढ़ का एक दिन (1958)
व्याख्या: 'आषाढ़ का एक दिन' (1958) मोहन राकेश द्वारा रचित आधुनिक हिंदी नाटक विधा का एक मील का पत्थर है, जिसे 1959 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह नाटक महाकवि कालिदास के ऐतिहासिक जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें कालिदास के राज्याश्रय व भौतिक सुखों के प्रति आकर्षण और उनकी प्रेमिका मल्लिका के आंतरिक समर्पण, त्याग व विरह के बीच सृजन के मनोवैज्ञानिक अंतर्द्वंद्व का अत्यंत संजीदा व मार्मिक चित्रण किया गया है। यह नाटक दर्शाता है कि सत्ता और सुविधाएँ किस प्रकार किसी सर्जक की मौलिक संवेदना को कुंठित कर देती हैं।
संदर्भ: मोहन राकेश — 'आषाढ़ का एक दिन', राजकमल प्रकाशन; संगीत नाटक अकादमी अभिलेख 1959;

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी खाद्य श्रृंखला (Food Chain) के माध्यम से एक पोषण स्तर से अगले पोषण स्तर तक होने वाले ऊर्जा प्रवाह (Energy Flow) का पिरामिड सदैव किस स्वरूप में बनता है और इसका मुख्य कारण क्या है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सदैव सीधा (Always Upright); ऊष्मा के रूप में ऊर्जा क्षय
व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का पिरामिड (Pyramid of Energy) प्रत्येक परिस्थिति में सदैव सीधा (Upright) ही बनता है, कभी भी उल्टा नहीं हो सकता। इसका कारण ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम और रेमंड लिंडेमैन का 10% ऊर्जा नियम है। जब ऊर्जा प्राथमिक उत्पादकों (हरे पौधों) से शाकाहारी और फिर मांसाहारी जीवों की ओर प्रवाहित होती है, तो प्रत्येक पोषण स्तर पर उपापचय और श्वसन क्रिया के दौरान लगभग 90% ऊर्जा अनुपयोगी ऊष्मा के रूप में पर्यावरण में विसर्जित हो जाती है। केवल 10% ऊर्जा ही अगले स्तर के जीव के शरीर में रासायनिक ऊर्जा के रूप में संचित हो पाती है। अतः उत्तरोत्तर स्तरों पर उपलब्ध ऊर्जा की मात्रा निरंतर घटती जाती है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 264–266;

प्र.5. 1920 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुए 'असहयोग आंदोलन' (Non-Cooperation Movement) को 4 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुई किस हिंसक घटना के कारण तत्काल स्थगित कर दिया गया था? (इतिहास)
उत्तर: चौरी-चौरा की घटना (Chauri Chaura Incident)
व्याख्या: 4 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर सत्याग्रहियों के एक शांतिपूर्ण जुलूस पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और गोली चलाने के बाद भीड़ उग्र हो गई। आक्रोशित किसानों और आंदोलनकारियों ने स्थानीय पुलिस थाने को घेरकर आग लगा दी, जिसमें एक थानेदार सहित 22 पुलिसकर्मी जलकर मारे गए। महात्मा गांधी पूर्ण रूप से सत्य और अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित आंदोलन के पक्षधर थे। इस हिंसक घटना से आहत होकर गांधी जी ने स्वीकार किया कि जनता अभी व्यापक सविनय अवज्ञा हेतु पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं है, और 12 फरवरी 1922 को बारदोली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में असहयोग आंदोलन को तत्काल वापस ले लिया।
संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद", p. 34–36;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत की वह कौन-सी पवित्र नदी है जो कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले की ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से निकलती है और अपनी वर्षभर जल उपलब्धता के कारण 'दक्षिण भारत की गंगा' कहलाती है? (भूगोल)
उत्तर: कावेरी नदी (Kaveri River)
व्याख्या: कावेरी नदी दक्षिण भारत की एक प्रमुख पूर्व-वाहिनी नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 800 किलोमीटर है। इसका उद्गम कर्नाटक के पश्चिमी घाट में स्थित ब्रह्मगिरि पहाड़ियों के 'तालकावेरी' से होता है। यह कर्नाटक और तमिलनाडु से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इसकी अद्वितीय विशेषता यह है कि प्रायद्वीपीय भारत की अन्य मौसमी नदियों के विपरीत इसमें वर्षभर जल रहता है, क्योंकि इसके ऊपरी जल-ग्रहण क्षेत्र (कर्नाटक) में दक्षिण-पश्चिम मानसून (ग्रीष्मकाल) से तथा निचले जल-ग्रहण क्षेत्र (तमिलनाडु) में उत्तर-पूर्वी लौटते मानसून (शीतकाल) से प्रचुर वर्षा प्राप्त होती है। इस पर प्रसिद्ध शिवसमुद्रम जलप्रपात और मेट्टूर बांध स्थित हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत वित्तीय स्थिरता अथवा भारत की साख को गंभीर खतरा उत्पन्न होने पर राष्ट्रपति द्वारा देश में 'वित्तीय आपातकाल' (Financial Emergency) लागू किया जा सकता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 360 (Financial Emergency)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XVIII में आपातकालीन उपबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 360' वित्तीय आपातकाल से संबंधित है। यदि राष्ट्रपति को यह समाधान हो जाए कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे भारत या उसके किसी भाग की वित्तीय स्थिरता या साख संकट में है, तो वे वित्तीय आपात की घोषणा कर सकते हैं। इसके प्रभावी होने पर संघ की कार्यपालिका राज्यों को वित्तीय औचित्य के नियमों का पालन करने का निर्देश दे सकती है, तथा राष्ट्रपति केंद्र एवं राज्यों के सभी लोक सेवकों, जिनमें सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश भी शामिल हैं, के वेतनों और भत्तों में कटौती का आदेश दे सकते हैं। भारत में आज तक एक बार भी वित्तीय आपातकाल लागू नहीं किया गया है।
संदर्भ: Constitution of India, Part XVIII, Article 360; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. पौधों की पत्तियों में प्रकाश संश्लेषण द्वारा निर्मित घुलनशील कार्बनिक भोज्य पदार्थों (सुक्रोज) को पौधे के संचय अंगों (जड़ों, फलों, बीजों) तक दोनों दिशाओं में स्थानांतरित करने वाला संवहन ऊतक कौन-सा है? (विज्ञान)
उत्तर: फ्लोएम ऊतक (बास्ट / Phloem Tissue)
व्याख्या: फ्लोएम पौधों में पोषक पदार्थों के संवहन हेतु उत्तरदायी एक जटिल संवहन ऊतक है, जो चार प्रकार की कोशिकाओं — चालनी नलिकाएं (Sieve Tubes), सहचर कोशिकाएं (Companion Cells), फ्लोएम पैरेन्काइमा और फ्लोएम रेशे से मिलकर बनता है। पत्तियों में तैयार शर्करा और सुक्रोज को ऊर्जा (ATP) के उपयोग से फ्लोएम के चालनी तत्वों में लोड किया जाता है, जिससे परासरण दाब बढ़ने पर जल प्रवेश करता है और भोजन पौधे के उन भागों (जड़ों, कलियों, बीजों) की ओर प्रवाहित होता है जहाँ दाब कम होता है। जाइलम में जल का प्रवाह केवल ऊपर की ओर एकदिशीय होता है, जबकि फ्लोएम में भोजन का परिवहन आवश्यकतानुसार ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं (द्विदिशीय/द्विमार्गी) में होता है।

प्र.9. तमिलनाडु के तटीय महाबलीपुरम (मामल्लपुरम) में 8वीं शताब्दी में पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) द्वारा ग्रेनाइट पत्थरों को जोड़कर बनाया गया वह कौन-सा प्रसिद्ध मंदिर है जो बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: तट मंदिर (शोर टेंपल / Shore Temple)
व्याख्या: महाबलीपुरम का तट मंदिर (Shore Temple) तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में बंगाल की खाड़ी के रेतीले तट पर स्थित द्रविड़ स्थापत्य शैली का एक उत्कृष्ट और प्राचीनतम पाषाण-निर्मित मंदिर (Structural Temple) है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी के आरंभ (लगभग 700–728 ईस्वी) में पल्लव वंश के प्रतापी राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय 'राजसिंह' ने करवाया था। इस परिसर में तीन मुख्य मंदिर हैं, जिनमें दो भगवान शिव को और एक शयन मुद्रा में भगवान विष्णु (अनंतशयन) को समर्पित है। इसका बहुमंजिला विमान (शिखर) और नक्काशीदार नंदी की मूर्तियां द्रविड़ वास्तुशिल्प की परिपक्वता को दर्शाती हैं। 1984 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p.

प्र.10. 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 37वां वार्षिक अधिवेशन बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में आयोजित हुआ था, जिसकी अध्यक्षता 'देशबंधु' चितरंजन दास ने की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: गया (Gaya)
व्याख्या: 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 37वां वार्षिक अधिवेशन बिहार के गया जिले में संपन्न हुआ था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता विख्यात राष्ट्रवादी नेता और बैरिस्टर 'देशबंधु' चितरंजन दास (सी. आर. दास) ने की थी। यह अधिवेशन कांग्रेस के भीतर विचारधारा के एक बड़े मोड़ का गवाह बना। चौरी-चौरा कांड के बाद असहयोग आंदोलन वापस लेने पर चितरंजन दास और मोतीलाल नेहरू ने 'विधान परिषदों में प्रवेश कर सरकार की नीतियों में अवरोध डालने' का प्रस्ताव रखा (परिवर्तनवादी धड़ा), जबकि चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इसका विरोध किया (अपरिवर्तनवादी धड़ा)। प्रस्ताव गिर जाने के बाद चितरंजन दास ने अध्यक्षता से इस्तीफा देकर 1 जनवरी 1923 को मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' (Swaraj Party) की स्थापना की घोषणा की।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन", p. 116–118;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W1 – डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार विद्यालय एवं घर में जल-जनित डायरिया संक्रमण से बचाव हेतु पेयजल के शुद्धिकरण के लिए उपयोग की जाने वाली क्लोरीन टिकिया की सही मानक मात्रा क्या है और पानी को कितनी देर उबालना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: 20 लीटर पानी में 0.5 ग्राम क्लोरीन टिकिया (30 मिनट संपर्क समय); 10 से 15 मिनट खौलाना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W1: डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार, डायरिया (अतिसार), हैजा और टायफाइड जैसे जल-जनित रोगों का मुख्य स्रोत दूषित पेयजल होता है। जल के जीवाणु-मुक्त शुद्धिकरण हेतु मानक सुरक्षा विधियाँ निर्धारित हैं: (1) रासायनिक शुद्धिकरण – 20 लीटर क्षमता वाले पानी के घड़े या बाल्टी में 0.5 ग्राम (हैलोजन/क्लोरीन) की एक टिकिया को अच्छी तरह घोलें और कीटाणुनाशन के लिए कम से कम 30 मिनट तक स्थिर छोड़ दें, इसके पश्चात ही उस जल का उपभोग करें; (2) तापीय शुद्धिकरण – जहां टिकिया उपलब्ध न हो, वहां पानी को सामान्य उबाल आने के बाद भी लगातार 10 से 15 मिनट तक तेज आंच पर खौलाएं (Boil) ताकि सभी रोगजनक जीवाणु व सिस्ट नष्ट हो जाएं; (3) पानी के पात्र को सदैव डंडीदार लोटे से निकालें और पात्र को ढंककर रखें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W1 – "डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण"

प्र.12. 120 मीटर लंबी एक रेलगाड़ी 90 किमी/घंटा की गति से चल रही है। वह पटरी के समानांतर उसी दिशा में 18 किमी/घंटा की गति से दौड़ रहे एक साइकिल सवार को कितने सेकंड में पूरी तरह पार कर लेगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 6 सेकंड

व्याख्या: यह 'सापेक्ष चाल' (Relative Speed) की गणितीय अवधारणा पर आधारित समय और दूरी का प्रश्न है। जब दो वस्तुएं एक ही दिशा में गतिमान हों, तो उनकी सापेक्ष चाल दोनों की चालों के अंतर के बराबर होती है।

रेलगाड़ी की चाल = 90 किमी/घंटा, साइकिल सवार की चाल = 18 किमी/घंटा।

समान दिशा में सापेक्ष चाल = 90 - 18 = 72 किमी/घंटा।

चाल को मीटर/सेकंड में बदलने हेतु 5/18 से गुणा करते हैं: सापेक्ष चाल = 72 * (5/18) = 4 * 5 = 20 मीटर/सेकंड।

पार करने में तय की जाने वाली दूरी = रेलगाड़ी की अपनी लंबाई = 120 मीटर (साइकिल सवार की लंबाई नगण्य है)।

समय = दूरी / चाल = 120 / 20 = 6 सेकंड।

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

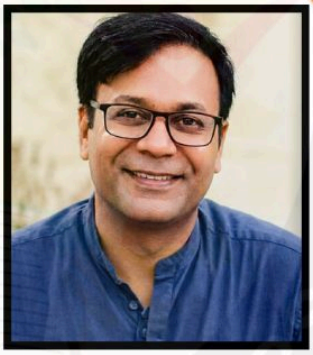

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Bizarre (बिज़ार) = Strange (स्ट्रेंज) = विचित्र / अजीब / असामान्य
   Antonym – Normal (नॉर्मल) = सामान्य / साधारण
2. Conundrum (कनन्ड्रम) = Puzzle (पज़ल) = कठिन पहेली / जटिल समस्या
   Antonym – Solution (सॉल्यूशन) = समाधान
3. Deference (डेफरन्स) = Respect (रिस्पेक्ट) = सम्मान / आदर / विनम्र सम्मान
   Antonym – Disrespect (डिसरिस्पेक्ट) = अनादर / अपमान
4. Exonerate (इग्ज़ॉनरेट) = Acquit (अक्विट) = दोषमुक्त करना / आरोप से मुक्त करना
   Antonym – Convict (कनविक्ट) = दोषी ठहराना
5. Frugal (फ्रूगल) = Economical (इकनॉमिकल) = मितव्ययी / कम खर्च करने वाला
   Antonym – Extravagant (एक्स्ट्रैवगन्ट) = फिजूलखर्च / अपव्ययी

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

New Delhi gears up for 18th BRICS Summit on September 12-13; security tightened, traffic advisories issued
हिन्दी अनुवाद: 12-13 सितंबर को होने वाले 18वें BRICS शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली तैयार; सुरक्षा कड़ी, यातायात सलाह जारी।�
भारत की BRICS अध्यक्षता थीम — "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability" के तहत शिखर सम्मेलन भारत मंडपम, नई दिल्ली में होगा। 12 सितंबर को 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षीयवाद' पर बंद कमरे की बैठक होगी। एजेंडे में स्थानीय मुद्रा भुगतान, ऊर्जा-खाद्य सुरक्षा, AI और आपूर्ति श्रृंखला शामिल हैं। UPSC/BPSC के लिए: BRICS — 10 सदस्य (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, UAE, इंडोनेशिया); 2026 में भारत की अध्यक्षता।

IAEA Board refers Iran to UN Security Council over nuclear 'non-compliance'; resolution passed 23-5 with Russia, China, Qatar opposing
हिन्दी अनुवाद: आईएईए बोर्ड ने ईरान को परमाणु 'अनुपालन न करने' के कारण यूएन सुरक्षा परिषद में भेजा; प्रस्ताव 23-5 से पारित — रूस, चीन, कतर ने विरोध किया।�
यह 20 वर्षों में पहली बार है जब ईरान को UNSC में भेजा गया है। प्रस्ताव अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। ईरान ने इस निर्णय को 'अप्रासंगिक' कहा और UN कार्रवाई की मांग की। UPSC/BPSC के लिए: IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; JCPOA — 2015 का संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता; UNSC — संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद।

PM Modi to hold bilateral with Putin on September 11; Su-57, S-400 delivery, nuclear energy on agenda
हिन्दी अनुवाद: 11 सितंबर को PM मोदी की पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक; Su-57 फाइटर, S-400 आपूर्ति, परमाणु ऊर्जा एजेंडे में प्रमुख।
क्रेमलिन ने पुष्टि की कि रूस Su-57 पाँचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर के विक्रय और तकनीक हस्तांतरण पर चर्चा के लिए तैयार है। दोनों देश ब्रह्मोस मिसाइल उन्नयन और ऊर्जा सहयोग पर भी बात करेंगे। UPSC/BPSC के लिए: Su-57 — रूस का पाँचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान; S-400 — वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली; BrahMos — भारत-रूस संयुक्त सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल।

INTERNATIONAL NEWS

UN Secretary-General Guterres to attend BRICS Summit; to stress multipolarity and UNSC reforms
हिन्दी अनुवाद: यूएन महासचिव गुटेरेस BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे; बहुध्रुवीयता और UNSC सुधार पर जोर देंगे।�
गुटेरेस 10 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे और 12-13 सितंबर को शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उनकी PM मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग से मुलाकात की उम्मीद है। एजेंडे में जलवायु परिवर्तन, बहुपक्षीयवाद और वैश्विक शासन सुधार शामिल हैं। UPSC/BPSC के लिए: UNSG — संयुक्त राष्ट्र महासचिव; UNSC reform — स्थायी सदस्यों में भारत, जापान, जर्मनी, ब्राज़ील (G4) की दावेदारी।

Iran expands no-go zone outside Strait of Hormuz; attacks dozen vessels, escalates Gulf tensions
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बाहर 'नो-गो जोन' का विस्तार किया; दर्जनों जहाजों पर हमला — खाड़ी में तनाव बढ़ा।�
ईरान ने कहा कि उसने होर्मुज़ से गुजरने की कोशिश करने वाले एक दर्जन से अधिक जहाजों पर हमला किया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह एक अमेरिकी युद्धपोत पर दूसरा हमला है। तेल की कीमतें $100 प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग (लगभग 20% तेल); IRGC — ईरान की क्रांतिकारी गार्ड।

India sends 35 tonnes of relief to Nepal; eighth IAF aircraft with specialized tunnel team and foreign experts
हिन्दी अनुवाद: भारत ने नेपाल को 35 टन राहत भेजी; आठवाँ IAF विमान विशेष सुरंग दल और विदेशी विशेषज्ञों के साथ।�
यह राहत नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए है। भारत ने पहले भी सात उड़ानों के माध्यम से राहत सामग्री भेजी थी। यह भारत-नेपाल मैत्री और पड़ोस नीति का उदाहरण है। UPSC/BPSC के लिए: IAF — भारतीय वायु सेना; Nepal-India relations — 1950 की शांति और मैत्री संधि।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Over 40-43 lakh affected across 14 districts; Ganga at Sultanganj flows at 36.72-36.78m (above HFL 36.75m)
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 14 जिलों में 40-43 लाख से अधिक प्रभावित; सुल्तानगंज में गंगा 36.72-36.78 मीटर पर बह रही (HFL 36.75 मीटर से ऊपर)।�
आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार 517 ग्राम पंचायतों के 84 ब्लॉकों में 41.45 लाख लोग प्रभावित हैं। 27 SDRF और 10 NDRF टीमें तैनात; 456 सामुदायिक रसोई और राहत शिविर चलाए गए हैं। प्रभावित जिले: पटना, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, लखीसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, बक्सर, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, अरवल। UPSC/BPSC के लिए: HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

CM Samrat Choudhary reviews flood situation; Ganga level receded by 17-18 cm at Patna, situation expected to improve in 2-3 days
हिन्दी अनुवाद: CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ स्थिति की समीक्षा की; पटना में गंगा का जलस्तर 17-18 सेमी घटा, अगले 2-3 दिनों में सुधार की उम्मीद।�
सीएम ने कहा कि फरक्का बैराज पर दैनिक 1.5 मिलियन यूनिट पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पटना में गंगा स्थिर है, लेकिन कोसी, गंडक और घाघरा नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। UPSC/BPSC के लिए: Farakka Barrage — पश्चिम बंगाल में गंगा पर बांध; flood management — SDMA और DDMP के तहत।

SPORTS NEWS

Women's Asia Cup 2026 Semi-final: India face Bangladesh at 8 PM IST in Dubai; winner advances to final on September 13
हिन्दी अनुवाद: महिला एशिया कप 2026 सेमीफाइनल: भारत का सामना बांग्लादेश से शाम 8 बजे दुबई में; विजेता 13 सितंबर को फाइनल में पहुंचेगा।�
यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने अब तक हर एशिया कप का फाइनल खेला है (2004 से लगातार)। मैच सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर और SonyLIV पर लाइव स्ट्रीम होगा। UPSC/BPSC के लिए: Women's Asia Cup — एशियाई महिला क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित; T20I प्रारूप।

Global Chess League continues in Bengaluru; Indian para-archers win 7 medals at World Archery Para Series Stage III (Ahmedabad)
हिन्दी अनुवाद: ग्लोबल चेस लीग बेंगलुरु में जारी; भारतीय पैरा तीरंदाजों ने वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III (अहमदाबाद) में 7 पदक जीते।
शीतल देवी और हरविंदर सिंह ने क्रमशः कंपाउंड और रिकर्व वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने कुल 2 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट में प्रभुत्व दिखाया। UPSC/BPSC के लिए: World Archery — अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ; Para Archery — पैरालंपिक खेलों का हिस्सा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

पहाड़ ने जो सिखाया

(हिमालय दिवस विशेष)

हिमालय की तलहटी में बसे एक छोटे-से गाँव में विद्यालय था। एक दिन विद्यालय के शिक्षक बच्चों को लेकर पहाड़ी रास्ते पर निकले। रास्ते में उन्हें एक बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे पौधों के आसपास से पत्थर और कचरा हटा रहा था।

एक बच्चे ने उत्सुकता से पूछा, "बाबा, आप अकेले इतना काम क्यों करते हैं?"

बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराकर कहा, "मैं पहाड़ को नहीं बचा रहा, बेटा... मैं उस पानी को बचा रहा हूँ जो पहाड़ हमें देता है।"

बच्चों ने आसपास देखा। एक छोटी जलधारा पत्थरों और प्लास्टिक से लगभग बंद हो चुकी थी। बूढ़े व्यक्ति रोज थोड़ा-थोड़ा कचरा हटाते और रास्ता साफ करते थे, ताकि बारिश का पानी जलधारा तक पहुँच सके।

शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि यही छोटी धाराएँ आगे चलकर नदियों का रूप लेती हैं। जंगल, मिट्टी और पानी का संतुलन बिगड़ेगा तो उसका असर केवल पहाड़ों पर नहीं, मैदानों में रहने वाले लोगों पर भी पड़ेगा।

अगले दिन बच्चों ने विद्यालय में एक निर्णय लिया। उन्होंने कोई बड़ा अभियान शुरू नहीं किया। बस हर बच्चा अपने घर और रास्ते के आसपास कचरा न फैलाने, पानी को गंदा न करने और कम-से-कम एक पौधे की देखभाल करने लगा।

कुछ महीनों बाद वही जलधारा साफ बह रही थी। बच्चों ने देखा कि उनके छोटे-छोटे प्रयास सचमुच बदलाव ला सकते हैं।

उस दिन शिक्षक ने कहा, "हिमालय हमसे कुछ माँगता नहीं, फिर भी हमारी नदियों, जंगलों और जीवन को बहुत कुछ देता है। अब उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।"

प्रेरक सीख : प्रकृति को बचाने के लिए हमेशा बड़ा काम जरूरी नहीं; छोटी जिम्मेदारियों को रोज निभाना ही सबसे बड़ा संरक्षण है।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।
एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

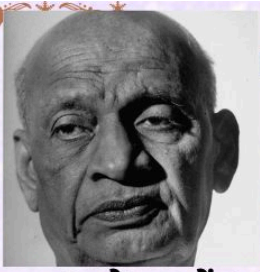

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्" अनुभाग-8

लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल

प्यारे बच्चों, क्या आपने गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर बनी दुनिया की सबसे ऊँची मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के बारे में सुना है? वह विशाल प्रतिमा हमारे देश के एक ऐसे महान नेता की है, जिनका मन फौलाद जैसा मजबूत था और जिन्होंने पूरे भारत को एक सुंदर माला की तरह पिरो दिया था। उन्हें हम सब प्यार और आदर से 'लौह पुरुष' और 'सरदार पटेल' कहते हैं। उनका पूरा नाम वल्लभभाई झावेरभाई पटेल था। उनका जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में अपने ननिहाल में हुआ था, जबकि उनका पैतृक गाँव करमसद था। उनके पिता श्री झावेरभाई पटेल एक साहसी किसान और देशभक्त थे और माता लाडबा देवी अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और संस्कारी महिला थीं। किसान परिवार में जन्मे नन्हे वल्लभभाई बचपन से ही बड़े साहसी, मेहनती और पक्के इरादे वाले बालक थे।

बचपन में नन्हे वल्लभभाई के साहस की एक घटना बहुत प्रसिद्ध है। एक बार उनकी कांख में एक बहुत बड़ा और दर्दनाक फोड़ा निकल आया। उस ज़माने में गाँव के वैद्य ने कहा कि इसे गर्म लोहे की सलाख से दागना पड़ेगा, तभी यह ठीक होगा। वैद्य जी बालक की कोमल उम्र देखकर डर रहे थे और उनका हाथ काँप रहा था। यह देखकर नन्हे वल्लभ ने बिना किसी झिझक के वह दहकती हुई गर्म सलाख खुद अपने हाथ में ली और मुस्कुराते हुए अपने फोड़े पर दाग ली! उनके चेहरे पर दर्द की एक शिकन तक नहीं आई। ऐसी गज़ब की सहनशक्ति और निडरता देखकर गाँव के सभी बड़े दंग रह गए। पढ़ाई में भी वे बहुत लगनशील थे। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से पैसे जुटाए और इंग्लैंड जाकर वकालत की पढ़ाई पूरी की और एक जाने-माने वकील बने।

जब वल्लभभाई गांधीजी के संपर्क में आए, तो उन्होंने अपनी चमक-दमक वाली वकालत छोड़कर देश सेवा का रास्ता चुना। उन्होंने गुजरात के बारडोली में गरीब किसानों पर अंग्रेजों द्वारा थोपे गए भारी लगान के खिलाफ एक बड़ा सत्याग्रह चलाया। किसानों की इस लड़ाई में उन्होंने ऐसी अद्भुत एकता और नेतृत्व दिखाया कि अंग्रेज हुकूमत को झुकना पड़ा। बारडोली की माताओं-बहनों और किसानों ने उनकी सूझबूझ और दृढ़ता से खुश होकर उन्हें प्यार से 'सरदार' (यानी नेता या मुखिया) की उपाधि दी। इसके बाद वे स्वतंत्र भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और पहले गृह मंत्री बने।

आज़ादी के समय हमारे देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि भारत 560 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतों में बँटा हुआ था। सरदार पटेल ने अपनी सूझबूझ, मीठी बातों और ज़रूरत पड़ने पर लोहे जैसी सख्ती से सभी राजा-रजवाड़ों को एक साथ मिलाया और एक अखंड भारत का निर्माण किया। यदि वे न होते, तो आज हमें अपने ही देश में एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए वीज़ा और पासपोर्ट की ज़रूरत पड़ती! प्यारे बच्चों, सरदार पटेल का यह पावन जीवन हमें सिखाता है कि चाहे राह में कितनी भी मुश्किलें क्यों न आएँ, यदि हमारा इरादा लोहे की तरह मजबूत हो, तो हम हर कठिन लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। हमें हमेशा आपस में मिल-जुलकर रहना चाहिए।

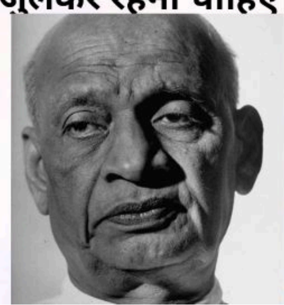

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

TEACHERS OF BIHAR

फ्फरपुर, सोमवार
जुलाई, 2026

दैनिक जागरण

www.jagran.com

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

संवाद सूत्र, जागरण ● बगहा : विभाग के द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के बाद विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न सिर्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची कर्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की बदौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों का माहौल बदलने में सफल हो रहे। इसी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे इससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के लिए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो शिक्षकों क्रमशः शैलेंद्र कुमार और अभिषेक कुमार को रमना स्थित हाडिटोरियम हाल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया था। जिलाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक ● सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेंद्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक ● सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्षकों, ग्रामीणों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दोनों सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी।

दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 27-07-2026

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज | बगहा

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री........शैलेन्द्र कुमार........

पदनाम....प्रधानाध्यापक.... विभाग/शाखा..रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

फ्फरपुर, 05 सितंबर, 2026
बगहा जागरण 05.09.2026
www.jagran.com

बच्चों को केवल किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि उनके सपनों को पंख देने का किया काम

शिक्षक दिवस

- संसाधन सीमित, हौसला असीम... प्रधानाध्यापक ने बदल दी विद्यालय की तस्वीर
- शिक्षक की पहल से प्राथमिक विद्यालय बोदसर बना नवाचार और उपलब्धियों की मिसाल

रक्षाबंधन पर पौधों को राखी बांधकर दिया अनूठा संदेश

प्रधान शिक्षक की पहल पर रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने पौधों को राखी बांधी। छात्राओं ने पौधों की रक्षा का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की इस पहल ने बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा की। विद्यालय परिसर में आयोजित यह गतिविधि बच्चों के लिए सीख और संवेदना का अनूठा माध्यम बनी।

डीएम कर चुके हैं सम्मानित

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक (BPSC)
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा -2, प. चम्पारण।

CHAMPARAN GYANAGAR

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org